



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 9] नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, मार्च 31, 1994/चैत्र 10, 1916  
No. 9] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 31, 1994/CHAITRA 10, 1916

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1994

सं. आई. डब्ल्यू. /वित्त/पी एफ/4325/92:—भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम 1985 (1985 का 82) की धारा 8 की उपधारा (2) ब धारा 35 की उपधारा (2) (ब) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण निम्नलिखित विनियम बनाना है, अर्थात् :—

1 संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(i) इन विनियमों का नाम भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (वैधानिक) विनियम, 1993 है।

(ii) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं :—इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो—

(अ) “अधिनियम” से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 82) अभिप्रेत है।

(ब) “प्राधिकरण” से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण प्रबन्धक मण्डल अभिप्रेत है।

(स) “अध्यक्ष” से जो उसके लिए भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 में निर्दिष्ट है अभिप्रेत होगा।

(द) “कर्मचारी” से प्राधिकरण के स्थायी या अस्थायी कर्मचारी जिसकी प्राधिकरण की सेवा के दौरान मृत्यु या सेवा निवृत्ति हुई हो या जिसने त्यागपत्र दे दिया हो या जिसकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं अभिप्रेत है। किन्तु इसमें केन्द्र सरकार या राज्य सरकार या स्थानीय निकाय या अन्य प्राधिकरण के स्थायी या अस्थायी कर्मचारी जो कि प्राधिकरण में प्रतिनिधित्व पर हैं शामिल नहीं हैं।

(य) “निधि” से इन विनियमों के अन्तर्गत स्थापित भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पेंशन निधि अभिप्रेत है।

(र) “सामान्य खाता” से प्राधिकरण का सामान्य खाता अभिप्रेत है।

(ल) “पेंशन” में पारिवारिक पेंशन भी शामिल है।

(व) “पेंशन विनियम” से समस्त विद्यमान नियम तथा आदेश, जो पेंशन, ग्रेच्युटी तथा पेंशन विनियम, जो भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (नियमों का अनुकूलन) विनियम, 1991 या ऐसे अन्य विनियम के कारण जो प्राधिकरण द्वारा उपरोक्त नियम तथा आदेशों को प्रतिस्थापित करने या संशोधित करने के निमित्त बनाये जायें, के कारण लागू हैं, अभिप्रेत है।

(3) निधि की स्थापना :—भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण पेंशन निधि के नाम से एक कोष की स्थापना की जाये तथा इसमें निम्न राशि जमा की जाये।

(अ) सामान्य खाते में ऐसा वार्षिक अंशदान जिसे अध्यक्ष, कर्मचारियों की भावी पेंशन तथा ग्रेच्युटी देयता को पूरा करने के लिये पर्याप्त समझे।

(ब) निधि के विनियोग पर व्याज तथा लाभ।

(स) कोष में कोई अन्य उपहार या अनुदान द्वारा हस्तान्तरित राशि।

(द) पेंशन या ग्रेच्युटी के अति-भुगतान से बसूली गई राशि।

4. निधि का संचालन :—कोष का संचालन अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा।

5. कोष से व्यय :—कोष निम्नलिखित एक या अधिक प्रयोजनों में व्यय किया जायेगा :—

(अ) कर्मचारियों या उनके परिवार के सदस्यों या उनके आश्रितों, जैसा भी हो, को पेंशन और पारिवारिक पेंशन का भुगतान जैसा कि पेंशन विनियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य हो।

(ब) कर्मचारियों या उनके परिवार के सदस्यों या उनके आश्रितों जैसा भी हो को ग्रेच्युटी का भुगतान मृत्यु सेवा निवृत्ति ग्रेच्युटी तथा सेवामुक्ति ग्रेच्युटी जैसा कि पेंशन विनियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य हो।

(स) परिवर्तित पेंशन मूल्य का भुगतान जैसा कि पेंशन विनियमों के अन्तर्गत स्वीकार्य हो।

6. कोष का वितरण :—पेंशन विनियमों के प्रावधानों के अनुसार अध्यक्ष की विशेष स्वीकृति से कर्मचारियों या उनके परिवार के सदस्यों या उनके आश्रितों को कोष से भुगतान किया जायेगा।

7. निधि का विनियोग :—अध्यक्ष समस्त या आंशिक कोषों को सार्वजनिक प्रतिभूतियों या ऐसी अन्य प्रतिभूतियों में जैसा कि केन्द्र सरकार इस संबंध में अनुमोदित करे विनियोजित कर सकते हैं।

8. व्याख्या :—यदि इन विनियमों का व्याख्या संबंधी कोई प्रश्न उठता है तो उसका निर्णय “प्राधिकरण” करेगा।

शैलेंद्र नाथ, सहाय. कासचिव

मसौदा

भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण

अधिमूचना

ए. आई. डब्ल्यू/वित्त/पी एफ/4325/92 :— भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम, 1985 (1985 का 82) की धारा 8 की उपधारा (2) (ब) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

(1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—इन विनियमों का नाम भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (सामान्य भविष्य निधि) विनियम, 1993 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तिथि को प्रवृत्त होंगे।

(2) परिभाषाएं :—

(1) इन विनियमों, में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(अ) “लिखा अधिकारी” से प्राधिकरण का मुख्यसेखा अधिकारी, अभिप्रेत है।

(ब) “प्राधिकरण” तथा “अध्यक्ष” से जो उनके लिए भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण 1985 में क्रमशः निर्दिष्ट है, अभिप्रेत है।

(स) जब तक कि स्पष्टतः अन्यथा निर्दिष्ट न हो “पारिश्रमिक” से जैसा कि भारत सरकार के “भूल नियमावली” (21) या प्राधिकरण द्वारा बनाये गये विनियमों यदि कोई हो, में पारिभाषित वेतन जो भी अंशदाता के लिए लागू हो, छुट्टी वेतन, और विदेश सेवा से संबंधित कोई वेतन प्रकृति का पारिश्रमिक अभिप्रेत है। किन्तु इसमें कोई भत्ता फलोटींग क्राफ्टों के निरीक्षण के लिए शुल्क भत्ता शामिल होगा।

(ब) "कर्मचारी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो प्राधिकरण के अधीन सेवा का सदस्य है तथा इसमें कोई भी ऐसा व्यक्ति शामिल है जिसको अस्थायी तौर पर केन्द्र सरकार/राज्य सरकार या स्थानीय या अन्य प्राधिकरण में भेजा गया है।

(य) "प्रपत्र" से इन विनियमों में संलग्न प्रपत्र अभिप्रेत है।

(र) "निधि" से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण कर्मचारी "सामान्य भविष्य निधि" अभिप्रेत है।

(ल) "सामान्य भविष्य निधि विनियम" से सामान्य भविष्य निधि विनियम इत्यादि देने के लिए व समस्त विद्यमान नियम तथा आदेश जो भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (नियमों का अनुकूलन विनियम 1991 के कारण या ऐसे अन्य विनियम जो प्राधिकरण द्वारा उपरोक्त नियमों तथा आदेशों को प्रतिस्थापित करने या संशोधित करने के निमित्त बनाए जाने के कारण लागू हैं) अभिप्रेत है।

(व) "विभागाध्यक्ष" से इन विनियमों के अन्तर्गत शक्तियों के प्रयोग हेतु प्राधिकरण ऐसा धोषित अधिकारी अभिप्रेत है।

(स) "कार्यालय प्रमुख" से प्राधिकरण अथवा विभागाध्यक्ष द्वारा धोषित कार्यालय प्रमुख अभिप्रेत है।

(स) "छुट्टी" से भारतीय अन्तर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण अधिनियम 1985 द्वारा बनाए गए छुट्टी विनियमों द्वारा मान्य किसी भी प्रकार की छुट्टी जो कि अंशदाता पर लागू होती है, अभिप्रेत है।

(ह) "वर्ष" से वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

(2) इन विनियमों में प्रयुक्त किसी अन्य कोई अभिव्यक्ति का अर्थ जो या भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) या भारत सरकार के मूल नियमावली या अंशदाता पर लागू अन्य कोई विनियम में परिभाषित है वही होगा जो अन्तः इन अधिनियम नियमों या विनियमों में विनिर्दिष्ट है।

(3) निधि का संविधान तथा प्रबन्ध :—

(i) इन विनियमों के प्रयुक्त होने की तारीख से प्राधिकरण अपने कर्मचारियों के कल्याण के लिए एक कोष की स्थापना करेगा और

(ii) प्राधिकरण इस कोष का संचालन तथा सम्पोषण भारत में रूपों में करेगा।

(4) पावना की शर्तें :—

(i) एक वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात् समस्त पुनर्नियुक्त पेंशन भोगी (अंशदानिक भविष्य निधि की सदस्यता के पात्रों को छोड़कर) तथा समस्त स्थायी कर्मचारी कोष में अंशदान करेंगे।

(ii) किसी महीने के मध्य में एक वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण कर चुके समस्त अस्थायी कर्मचारी परवर्ती माह से कोष में अंशदान करेंगे।

(iii) ऐसे अस्थायी कर्मचारी जिनकी नियुक्ति नियमित रिक्तियों के स्थान पर हुई है और जिनके एक वर्ष से अधिक समय तक सेवा में रहने की संभावना है वे एक वर्ष की सेवा पूर्ण होने से पूर्व किसी भी समय कोष में अंशदान कर सकते हैं।

(iv) प्राधिकरण अपने स्वाविवेक से कर्मचारियों के किसी भी अन्य वर्ग के कर्मचारियों से कोष में अंशदान करने की अपेक्षा कर सकता है।

(v) उन कर्मचारियों से जो किसी अंशदानिक भविष्य निधि के अंशदाता हैं, इस निधि में अंशदान करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी; और

(vi) किसी कर्मचारी के लिए निधि में प्रवेश की निर्मलखित प्रक्रिया है, अर्थात् :—

(अ) प्रपत्र I के अनुसार कार्यालय प्रमुख द्वारा अनिवार्य अंशदाताओं के सम्बन्ध में भविष्य निधि खाता संख्या के आबंटन के लिए विवरण प्रस्तुत करना।

(ब) खाता संख्या का आबंटन करना।

(5) शेष राशि का स्थानान्तरण :— इन विनियमों के प्रवर्तन पर सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960 या इन कर्मचारियों पर लागू किसी अन्य सामान्य भविष्य निधि नियम या प्रादेश के अन्तर्गत सामान्य भविष्य निधि में कर्मचारी के खाते में शेष राशि इन विनियमों के अन्तर्गत गठित निधि में उसके खाते में जमा की जायेगी।

(6) नामांकन, अंशदान, अधिम, निकासी, अन्तिम भुगतान इत्यादि। भविष्य निधि अधिनियम, 1925 के साथ पठित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960 के अन्तर्गत बनावे गये समस्त विद्यमान नियम तथा परवर्ती संशोधन इन विनियमों के अन्तर्गत यथा आवश्यक परिवर्तन के साथ लागू होंगे।

(7) व्याख्या यदि इन विनियमों की व्याख्या सम्बन्धी कोई प्रश्न उत्पन्न है तो उसका निर्णय प्राधिकरण करेगा।

## भारतीय अल्पदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण

प्रपत्र-1

## मुख्य कार्यालय/दीक्षा

अनिवार्य अंशदानाओं के भविष्य निधि खाता संख्या के आसटन के लिए साहू ..... का विवरण

| क्रम सं. अंशधारी का नाम | अंशधारी के पिता/पति का नाम | अंशधारी की जन्म तिथि | सेवा में कार्यप्रवृत्त की तिथि | पदनाम | वारिध्याधिक | मासिक अंशदान की दर (पूर्ण छंटियों में) | जिस साहू में अंशदान शुरू होता है | टिप्पणी | मुख्यलेखा अधिकारी कार्यालय द्वारा खाना म. के माध्यम से भरा जाये |
|-------------------------|----------------------------|----------------------|--------------------------------|-------|-------------|--|----------------------------------|---------|---|
| 1                       | 2                          | 3                    | 4                              | 5     | 6           | 7                                      | 8                                | 9       | 10  |

संख्या ..... दिनांक .....

आवश्यक कार्य हेतु लेखा अधिकारी को अर्पित उन अंशधारियों के लिए जिनका नाम इस विवरण में उल्लिखित है भा. अ. ज. प्र. के. सा. भ. नि. नियमावली के अन्तर्गत सा. भ. नि. में सम्मिलित होना आवश्यक है। उनके नाम पूर्व विवरणों में शामिल नहीं किए गये हैं तथा वे पहले से ही किसी भविष्य निधि के सदस्य नहीं हैं (नामांकन संलग्न है)। जैसा कि टिप्पणी स्तम्भ में उल्लिखित है। प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त समस्त कर्मचारी प्रासंगिक नियमों के अनुसार भविष्य निधि में अंशदान करने के पात्र हैं।

संख्या ..... दिनांक .....  
को लौटाया ..... अर्पित खाता में .....  
अंशदाता का सूचित करके सेवा पूर्ण नामांकन प्रपत्र तथा अन्य सरकारी दस्तावेजों में भी दर्ज किया जाये।  
कर्मचारी के भविष्य निधि से सम्बन्धन सभी पत्र व्यवहार में खाता संख्या उद्धृत किया जाय (पैरा ) क्रम सं. .... के नामांकन प्रपत्र जात हुए।

कार्यालय प्रमुख

लेखा अधिकारी

मुख्य लेखा अधिकारी

## विवरण भरने सम्बन्धी निर्देश:-

(अ) इस प्रपत्र का प्रयोग केवल उन्हीं मामलों में किया जाय जहाँ निधि के लिए अंशदान आवश्यक है।

(ब) विवरण दो प्रतियों में भेजा जाय। इस विवरण में ऐसे स्थायी सरकारी कर्मचारी होने चाहिए जो पिछले महीने में सेवा में सम्मिलित हुए हैं तथा सरकारी सेवा में सम्मिलित होने पर जिनका निधि में सम्मिलित होना अनिवार्य है और वे स्थायी कर्मचारी भी हो जा तब महीने बाद एक वर्ष की नियमित सेवा पूरी करेंगे या भविष्य निधि में अंशदान करने के पात्र हो जायेंगे।

(ग) स्तम्भ 3 में पति का नाम (पिता के नाम के बजाय) विवाहित महिला अंशदाताओं के सम्बन्ध में स्थिति हो इंगित करने हुए दिया जाये।

(द) स्तम्भ में सर्टिफाइड वेतन आदि कोई है तो स्पष्टतः दर्शाया जाये।

(घ) स्तम्भ 8: कृपया सा. भ. नि. (केन्द्रीय सेवा) नियमावली के नियम 8 अंशदायिक भविष्य निधि (भारत नियम का अन्वर्तमान करें)।

(च) स्तम्भ 9 सा. भ. नि. (केन्द्रीय सेवा) नियमावली, 1960 के अन्तर्गत जो स्थायी सरकारी कर्मचारी जिनका महीने के मध्य में एक वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण करना है वह एक वर्ष की सेवा पूर्ण होने वाले महीने के अगले माह से सा. भ. नि. में अपने वेतन में योगदान प्रारम्भ करेंगे/करेंगी।

(छ) अंशधारी में निर्धारित प्रपत्र में नामांकन प्राप्त किया जाए तथा टिप्पणी स्तम्भ में उपयुक्त आक्या/अंकित करके इस विवरण के साथ मुख्य लेखा अधिकारी को अर्पित किया जाये।

शीलन्द नाथ,  
सहायक लेखा  
(भा. अ. ज. प्रा.)

# INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th March, 1994

No. IWAI/FIN/PF/4325/92.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 read with Sub Section (2)(b) of Section 35 of the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (82 of 1985), the Inland Waterways Authority of India with the previous approval of the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These regulations may be called the Inland Waterways Authority of India (Pension Fund) Regulations, 1993.

(ii) They shall come into force on the date of publication in Official Gazette.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires:—

- (a) "Act" means the Inland Waterways Authority of India Act, 1985 (82 of 1985);
- (b) "Authority" means the Board of management for Inland Waterways Authority of India;
- (c) "Chairman" shall have the meaning assigned to him in Inland Waterways Authority of India Act, 1985;
- (d) "Employee" means an employee of the Authority whether permanent or temporary who had died or retired or resigned from the service under the Authority or whose services have been terminated but does not include any permanent or temporary employees of the Central or State Government or a local body or other Authority on deputation with the Authority;
- (e) "Fund" means the Inland Waterways Authority of India Pension Fund established under these regulations;
- (f) "General Account" means the general account of the Authority;
- (g) "Pension" includes family pension;
- (h) "Pension Regulations" means all existing rules and orders to provide pensions, gratuity and commutation of pension which continue to be in force by virtue of the Inland Waterways Authority of India (adoption of Rules) Regulations 1991 or such other regulations as may be made by the Authority in this behalf to replace or modify the aforesaid rules and orders.

3. Establishment of the Fund.—There shall be established a Fund to be called the Inland Waterways Authority of India Pension Fund and there shall be credited thereto :—

- (a) such annual contribution from the general account as the Chairman may deem reasonably sufficient for meeting the future liability of pension and gratuity in respect of the employees;
- (b) interest and profit on investments belonging to the fund;
- (c) any other sum made over to the Fund by way of gift or donation;
- (d) refund of any excess payment of pension or gratuity as may be recovered.

4. Administration of the Fund.—The Fund shall be administered by the Chairman.

5. Expenditure from the Fund.—Expenditure may be incurred out of the Fund for one or more of the following purposes :—

- (a) payment of pension and family pension as admissible under the Pension Regulations to the employees or their family members or their dependents, as the case may be;
- (b) Payment of gratuity, death-cum-retirement gratuity and terminal gratuity as admissible under the pension regulations to the employees or their family members or their dependents, as the case may be;
- (c) payment of commuted value of pension as admissible under the pension regulations.

6. Disbursement of the Fund.—Disbursement shall be made out of the Fund to the employees or their family members or their dependents as per the provisions of the pension regulations under specific sanction of the Chairman.

7. Investment of the Fund.—The Chairman may invest the whole or a part of the fund in public securities or in such other securities as the Central Government may approve in this behalf.

8. Interpretation.—If any question arises relating to the interpretation of these regulations the same shall be decided by the "Authority".

SHAILENDRA NATH, Asst. Secy.



## DRAFT

## INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

## NOTIFICATION

New Delhi, the 28th March, 1994

No. IWAI/FIN/PF/4325/92.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 8 read with Sub Section (2)(b) of Section 35 of the Inland Waterways Authority of India Act 1985 (82 of 1985), the Inland Waterways Authority of India with the previous approval of the Central Government hereby makes the following regulations, namely :—

1. Short title and commencement.—(i) These regulations may be called the Inland Waterways Authority of India (General Provident Fund) Regulation, 1993.

(ii) They shall come into force on the date of publication in Official Gazette.

2. Definitions.—(i) In these regulations, unless the context otherwise requires :—

- (a) 'Accounts Officer' means the Chief Accounts Officer of the Authority;
- (b) 'Authority', 'Chairman', shall have the meanings respectively assigned to them in the Inland Waterways Authority of India Act, 1985;
- (c) Save as otherwise expressly provided 'emoluments' mean pay as defined in 9(21) of Fundamental Rules of Government of India, or in the regulations, if any, framed by the Authority, whichever may be applicable to the subscriber, leave salary, and any remuneration of the nature of pay in respect of foreign service, but shall not include any allowance, fees for supervision of floating crafts, driving allowance ;
- (d) 'employee' means a person, who is member of service under the Authority and includes any such person whose services are temporarily placed at the disposal of Central/State Government or local or other Authority;
- (e) 'Form' means the Form appended to these regulations ;
- (f) 'Fund' means the Inland Waterways Authority of India Employees' General Provident Fund;
- (g) 'General Provident Fund Regulations' mean all existing rules and orders to provide general provident fund etc. which continue to be in force by virtue

of the Inland Waterways Authority of India (Adoption of Rules) Regulations 1991 or such other regulations as may be made by the Authority in this behalf to replace or modify the aforesaid rules and orders.

- (h) 'Head of the Department' for the purpose of exercising the powers under these regulations, means the authority so declared by the Authority;
- (i) 'Head of the Office' means the authority declared to be the Head of the office by the Authority or the Head of the Department;
- (j) 'Leave' means any kind of leave recognised by the leave regulations framed under Inland Waterways Authority of India Act, 1985, which may be applicable to the subscriber;
- (k) 'Year' means the financial year.

(ii) Any other expression used in these regulations which is defined either in the Provident Fund Act, 1925 (19 of 1925), or in the Fundamental Rules of the Central Government or any other regulations applicable to the subscriber, shall have the meaning respectively assigned to them in such Act, rules or regulations.

### 3. Constitution and management of the Fund :

- (i) On and from the date of commencement of these regulations, the Authority shall establish, a fund for the welfare of the Authority's employees and
- (ii) The fund shall be administered by the Authority and shall be maintained by it in India in rupees.

### 4. Conditions of eligibility :—

- (i) All temporary employees after a continuous service of one year, all re-employed pensioners (other than those eligible for admission to the contributory provident fund) and all permanent employees shall subscribe to the fund;
- (ii) All temporary employees who complete one year of continuous service during the middle of a month shall subscribe to the fund from the subsequent month;
- (iii) Temporary employees who have been appointed against regular vacancies and are likely to continue for more than a year may subscribe to the fund at any time before completion of one year's service ;
- (iv) The Authority may, at its discretion, require any other category of employee to subscribe to the fund ;

- (v) Employees who are subscribers to any contributory provident fund shall not be required to subscribe to the funds; and
- (vi) The admission of an employee to the fund involves the following procedure, namely:—

- (a) Submission of a Statement of particulars for allotment of Provident Fund Account Number to compulsory subscribers by the Head of Office, as per Form I.

- (b) Allotment of Account Number.

#### 5. Transfer of balances :

On the commencement of these regulations, the balances standing to the credit of an employee in the General Provident Fund constituted under the General Provident Fund (Central Services) Rules,

1960 or any other General Provident Fund Rules or orders in force for such employee shall be credited to the Account of the employee under the Fund constituted under these regulations.

6. Nominations, Subscription, advance, withdrawals, final payment etc.

All existing rules and subsequent amendments made under General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 read with Provident Fund Act, 1925 shall be applicable mutatis mutandis under these regulations.

#### 7. Interpretation :

If any question arises relating to the interpretation of these regulations it shall be decided by the Authority.

### INLAND WATERWAYS AUTHORITY OF INDIA

Head Office/Project

FORM-I

Statement of particulars for allotment of Provident Fund Account Numbers to compulsory subscribers for the month of—

| Sl. No. | Name of Subscriber | Name of Subscriber's father/husband | Date of Birth of subscriber | Date of joining service | Designation | Emoluments | Monthly rate of subscription (in whole rupees) | Month from which subscription to commence | Remarks | To be filled in by Chief Accounts Officer's Office with Account Number |
|---------|--------------------|-------------------------------------|-----------------------------|-------------------------|-------------|------------|--|---|---------|--|
| 1       | 2                  | 3                                   | 4                           | 5                       | 6           | 7          | 8  | 9   | 10      | 11   |

No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_

Forwarded to the accounts officer for necessary action. The subscribers whose names are included in the statements are required to join the General Provident Fund and the GPF Rules of IWAI. Their names have not been included in the previous statements and they are not already members of any Provident Fund (nominations are enclosed) as mentioned in remarks column. Certified that all the employees whose names are shown above are eligible to subscribe to the Provident Fund in accordance with the relevant rules.

No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_

Copy to \_\_\_\_\_ account number allotted may be intimated to the subscribers and also noted in the service book maintained and other official records. In all correspondence connected with the Provident Fund of a subscriber, the account number should be quoted. Receipt of nomination as at serial number is hereby acknowledged.

Head of Office

Accounts Officer

Office of the Chief Accounts Officer

---

Instructions for filling the Statement:

- (a) This form should be used only in cases where subscription to the Fund is Compulsory.
- (b) The Statement should be sent in duplicate. It should include permanent Government servants who joined service in the previous month and are required to join the fund compulsorily on entry into Government service and temporary Government servants who will complete one year's continuous service or otherwise become eligible to subscribe to the provident fund, three months hence.
- (c) Column 3 Husband's name (instead of father's name) may be given in respect of married female subscribers indicating the position.
- (d) Column 7 Dearness pay, if any, may be distinctly shown.
- (e) Column 8 Please see Rule 8 of GP Fund (Central Services) Rules, 1960/Contributory Provident Fund (India) Rules.
- (f) Column 9 Under the GP Fund (Central Services) Rules, 1960, a temporary Government servant who completes one year's continuous service during the middle of a month shall commence subscribing to the GP Fund from his/her salary for the month following that in which he/she complete one year's service.
- (g) The nomination should be obtained in the prescribed form from the subscriber and forwarded to the Chief Accounts Officer alongwith this statement making a suitable note in the remarks column.

Shailendra Nath, Asstt. Secy. (I. W. A. I.)